ROAD SAFETY CLUB
Welcomes You
सुरक्षा जीवन रक्षा
AFETY IS LIFE SAFETY
SIMMI AGNIHOTRI
REE COLLEGE HAROLI
UNA (H.P.)-177220

Bhagat Singh
REGISTER

COLLEGE HAROLI
PROFESSOR SIMMI AGNIHOTRI
GOVT. DEGREE COLLEGE HAROLI, DISTT. UNA (H.P.)
प्राचार्य कक्ष
GOVT. DEGREE COLLEGE HAROLI
SEXUAL HARASSMENT IS A SERIOUS OFFENCE

अध्ययन कक्ष
ROAD SAFETY CLUB ACTIVITIES
2022-23

135

PROCEEDING – 66
BACK TO THE ROOTS.
BEST PRACTICE

"BACK TO THE ROOTS- A STEP TOWARDS CULTURAL PERSEVERANCE AND SKILL DEVELOPMENT"

The project "Back to the Roots" was initiated on December 29, 2024, with the objective of encouraging students to explore, document, and revive cultural traditions, practices, and knowledge that have faded over time and develop a skill using traditional practices. The fast-paced modernization of society has led to the loss of numerous customs, crafts, and traditional wisdom. Through this project, students were given the opportunity to reconnect with their heritage, contribute to its preservation and develop a skill.

Project Goals

- To help students discover and document cultural practices that are no longer in use.
- To instill a sense of pride and awareness about our traditions.
- To encourage practical demonstrations and revivals of these practices.
- To bridge the gap between the past and present by making historical traditions relevant today.

Project Execution

Students were asked to research and present their findings on forgotten traditions, crafts, recipes, songs, or customs. They could choose any format for submission—written reports, presentations, videos, or even practical demonstrations.

On February 6, 2025, the students submitted their projects, showcasing their hard work and enthusiasm.

(Capt [illegible])
06 Feb 25

Principal
Prof. Simmi Agnihotri
Govt. [illegible] College
Haroli, [illegible] Una (H.P.)

विद्यार्थियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों व लोक कथाओं पर दी प्रस्तुति

प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री कालेज में बैक टू द रूट्स परियोजना के तहत सांस्कृतिक विरासत पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

हरोली, 9 फरवरी (दत्ता): प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री कालेज हरोली में बैक टू द रूट्स परियोजना के तहत विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें बी.कॉम और बी.ए. तृतीय वर्ष के 33 विद्यार्थियों ने भाग लिया।

परियोजना की संचालक सहायक प्रो. ज्योति शर्मा ने बताया कि बैक टू द रूट्स का उद्देश्य आधुनिक दौर में लुप्त हो रही परंपराओं को पुनर्जीवित करना और युवाओं को उनकी जड़ों से जोड़ना है। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों ने पारंपरिक रीति-रिवाजों, लोक कथाओं, पुराने हस्तशिल्प, स्थानीय व्यंजनों और प्राचीन कृषि पद्धतियों पर शोध कर प्रस्तुतियां दीं।

विद्यार्थियों ने स्थानीय समुदाय के बुजुर्गों से बातचीत कर उनके अनुभवों को सांझा किया और पारंपरिक ज्ञान को संरक्षित करने के उपायों पर चर्चा की। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. आर.एस. डडवाल एवं समस्त कालेज प्रबंधन ने विद्यार्थियों की भागीदारी और प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल न केवल हमारे सांस्कृतिक मूल्यों को सहेजने में मददगार होगी। बल्कि नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़ने के लिए भी प्रेरित करेगी।

हरोली : हरोली कालेज में आयोजित कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी सामूहिक चित्र में।

Conducted by
Prof Jyoti Sharma
Asstt Prof Economics.

PROCEEDING - 20
GENDER CHAMPION - 2025
WOMEN CELL

प्रैस - विज्ञप्ति

आज दिनांक 20.09.2024 को प्रो० सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय हरोली में जैंडर चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया। इसमें 10 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें बी कॉम अंतिम वर्ष की छात्रा पलक को जैंडर चैम्पियन चुना गया। प्राचार्य डा० बी.एस राठौर ने बताया कि लिंग भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से जैंडर चैम्पियनशिप का आयोजन प्रतिवर्ष किया जाता है।

इस अवसर पर प्रो० गुरबख्श राय प्रो कैप्टन सोनिका सैनी तथा प्रो० कल्पना शर्मा उपस्थित रहे।

(Capt. Sonika Saini)
20 Sep 24

Principal
Prof. Simmi Agnihotri
G.D.C. Haroli
Distt. Una (H.P.)

५५

हरोली : राजकीय महाविद्यालय हरोली में जैंडर चैम्पियनशिप जीतने वाली छात्रा को सम्मानित करते हुए स्टाफ सदस्यों संग प्राचार्य डा. बी.एस. राठौर। (राजे)

पलक ने जीती जैंडर चैंपियनशिप

हरोली, 20 सितम्बर (राजे)। प्रो. सिम्मी अग्निहोत्री राजकीय महाविद्यालय हरोली में जैंडर चैम्पियनशिप का आयोजन करवाया गया जिसमें 10 विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। इसमें बी.कॉम अंतिम वर्ष की छात्रा पलक ने चैम्पियनशिप जीती। इस अवसर पर प्राचार्य डा. बी.एस. राठौर ने कहा कि लिंग भेदभाव को समाप्त करने के उद्देश्य से जैंडर चैम्पियनशिप का आयोजन प्रतिवर्ष करवाया गया है। इस अवसर पर प्रो. गुरबख्श राय, प्रो. कैप्टन सोनिका सैनी व प्रो. कल्पना शर्मा सहित अन्य स्टाफ सदस्य मौजूद रहे।

19